वर्ष : 1, अंक: 120 इंदौर, बुधवार 7 मई 2025

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

DIGITAL EDITION

बाबा बर्फानी की पहली तस्वीर सामने आई

7 फीट ऊंचे हिम शिवलिंग के दर्शन को आएंगे लाखों श्रद्धालु, यात्रा 3 जुलाई से रक्षाबंधन तक

श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर के अनंतनाग जिले में अमरनाथ की पवित्र गुफा से बाबा बर्फानी की पहली तस्वीर सामने आ गई है। इस बार बर्फ का शिवलिंग करीब 7 फीट ऊंचा है। इस शिवलिंग के दर्शन के लिए देशभर से लाखों लोग अमरनाथ आते हैं। यात्रा 3 जुलाई से शुरू होगी जो करीब 38 दिन चलेगी। 9 अगस्त को छड़ी मुबारक के साथ रक्षाबंधन के दिन पूरी होगी। यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो गए हैं। जरूरी मेडिकल सर्टिफिकेट बनवाने की प्रक्रिया चल रही है। 13 से 70 साल की उम्र तक के भारतीय अमरनाथ यात्रा कर सकते हैं। 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले का अमरनाथ यात्रा के रजिस्ट्रेशन पर कोई असर नहीं नजर आ है। अब तक पिछले साल की तुलना में 20 प्रतिशत ज्यादा रजिस्ट्रेशन हुए। 15 अप्रैल से ऑफलाइन और ऑनलाइन मोड के जरिए करीब 3.50 लाख श्रद्धालुओं ने अमरनाथ यात्रा के लिए एडवांस रजिस्ट्रेशन कराया है। श्राइन बोर्ड ने ई केबायसी, आरएफआईडी कार्ड, ऑन स्पॉट रजिस्ट्रेशन और दूसरी व्यवस्थाओं को भी बेहतर करने का निर्णय लिया है, ताकि यात्रा अधिक सुव्यवस्थित और सुरक्षित हो सके। बोर्ड का कहना है इस बार पिछली बार से ज्यादा श्रद्धालु आ सकते हैं, इसलिए जम्मू, श्रीनगर, बालटाल, पहलगाम, नुनवान और पंथा चौक पर रुकने और रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था भी की जा रही है।

2024 में पहुंचे थे 5 लाख यात्री

2024 में यह यात्रा 52 दिनों की थी। 2023 में 62 दिन, 2022 में 43 दिन और 2019 में 46 दिनों तक यात्रा चली। 2020-21 में कोरोना महामारी के कारण यात्रा स्थगित रही। 2024 में 52 दिनों तक चली अमरनाथ यात्रा में 5 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन किए थे। 2023 में 4.5 लाख यात्री शामिल हुए थे। साल 2012 में रिकॉर्ड 6.35 तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए थे। 2022 में कोविड के कारण आंकड़ा घटा था और 3 लाख तीर्थयात्रियों दर्शन के लिए पहुंचे थे।

टट्टू वालों और लोकल सेवादारों का बेस कैंप में ID वैरिफिकेशन

पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले के बाद, अमरनाथ यात्रा से पहले सुरक्षा व्यवस्था काफी कड़ी कर दी गई है। अब टट्टूवाले और स्थानीय सेवादार बेस कैंप में आईडी जांच के साथ रजिस्ट्रेशन करवा रहे हैं। तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और यात्रा के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सख्त आईडी वैरिफिकेशन प्रोटोकॉल के साथ किया जा रहा है।पहलगाम में पोनी वाले और उनके घोड़ों-खच्चरों का रजिस्ट्रेशन शुरू हो गया है।

एलजी मनोज सिन्हा ने बेस कैंप का दौरा किया

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को अमरनाथ यात्रा 2025 से पहले तीर्थयात्रियों के लिए चल रही व्यवस्थाओं की समीक्षा करने के लिए श्रीनगर में पंथा चौक ट्रांजिट कैंप का दौरा किया। पीएनबी सर्कल जम्मू के चीफ अनिल शर्मा ने कहा कि गर्भवती महिलाओं, 13 साल से कम और 70 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को यात्रा की अनुमति नहीं दी जाएगी, भले ही उनके पास मेडिकल सर्टिफिकेट हो।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक, हुए कई निर्णय

नक्सल प्रभावित जिले बालाघाट, मण्डला एवं डिण्डोरी के लिए विशेष सहयोगी दस्ते के 850 पद स्वीकृत

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में पचमढ़ी नगर की नजूल भूमि को अभयारण्य की सीमा से पृथक किये जाने का निर्णय लिया गया। पचमढ़ी नगर का नजूल क्षेत्र जिसका रकबा 395.931 हेक्टेयर है, जो साडा के प्रशासनिक नियंत्रण में है, को पचमढी अभयारण्य की सीमा से बाहर करने का निर्णय लिया गया है। इसके पूर्व अधिसूचना 22 दिसम्बर 2017 द्वारा पचमढ़ी अभयारण्य की परिधि पर स्थित 11 ग्रामों को अभयारण्य से बाहर किया और कुछ ग्रामों को इन्क्लोजर में रखा गया है। कैबिनेट बैठक में निर्णय लिया गया कि सभी जिलों में जो पेंशन कार्यालय हैं वहां के स्टाफ को कम कर जाएगा। एक केंद्रीय प्रकोष्ठ बनाया जाएगा। दरअसल, पेंशनर्स की संख्या कम होती जा रही है और स्टाफ अधिक है। ऑनलाइन व्यवस्था होने के कारण इस स्टाफ का उपयोग अन्यत्र किया जाएगा।

मंत्रि-परिषद द्वारा पैरा-ओलम्पिक में पदक विजेता खिलाड़ियों को 50-50 लाख रूपये की अतिरिक्त राशि दिये जाने का अनुमोदन दिया गया। मुख्यमंत्री की घोषणा के क्रियान्वयन के लिए पैरा-ओलम्पिक-2024 में कांस्य पदक विजेता खिलाड़ियों को 50 लाख रूपये की अतिरिक्त राशि दी जाएगी, जिससे कुल सम्मान राशि 1 करोड़ रूपये हो जाएगी।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री द्वारा पैरा-ओलम्पिक खिलाडी सुश्री रूबिना फ्रांसिस और श्री कपिल परमार को पैरा-ओलम्पिक खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर 1 करोड़ रूपये की सम्मान राशि देने की घोषणा की थी।

इंदौर बैतूल हाईवे के कलवार घाट पर दो बसों में भिड़ंत, 45 से ज्यादा घायल, एक की मौत

देवास (एजेंसी)। इंदौर बैतूल नेशनल हाईवे पर सड़क हादसों के लिहाज से डेंजर जोन में शामिल कलवार घाट में मंगलवार दोपहर एक चार्टर्ड बस व एक अन्य यात्री बस के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में एक-दो अन्य वाहन भी चपेट में आ गए। जोरदार टक्कर के बाद दोनों बसों में सवार 45 से अधिक यात्री घायल हो गए। घायलों को कन्नौद के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। जहां जांच के बाद डॉक्टर ने एक को मृत घोषित कर दिया जो चार्टर्ड बस का ड्राइवर कमलेश निवासी खातेगांव बताया जा रहा है। इसके अलावा गंभीर रूप से घायल हुए यात्रियों का प्राथमिक उपचार करके इंदौर रेफर किया जा रहा है। वहीं अधिकांश यात्रियों को सामान्य चोट आई है जिनमें से कुछ को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

बड़ी दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद क्षेत्रीय विधायक आशीष शर्मा कन्नौद के सरकारी अस्पताल पहुंचे और घायलों की स्थिति जानी व उपचार की व्यवस्था देखी।

ताई बोली, इंदौर के महापौर बहुत अच्छा कार्य कर रहे है

रणजीत टाइम्स » » आदित्य शर्मा

इंदौर। महापौर पुष्यमित्र भार्गव बिते कल मंगलवार दोपहर पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन से मिलने पहुंचे।

उन्होंने महाजन का आशीर्वाद लिया और उनके कुशलक्षेम पूछे। ताई ने जो महापौर को चिट्ठी लिखी उसका जिक्र भी किया, बोलीं आपने कहा था कि ताई मैं आपके घर आउंगा, आपके साथ बैठूंगा, चर्चा करूंगा। इसके बाद आप भी बाहर चले गए, मैं भी बीमार रही। बातचीत हो नहीं सकी। मैंने बहुत सहजभाव से चिट्ठी लिखी थी। साथ ही उन्होंने महापौर भार्गव की तारीफ करते हुए कहा इंदौर के महापौर बहुत अच्छे व्यक्ति है, बहुत अच्छे कार्य कर रहे है। लगातार शहरहित के कार्य कर रहे है। महापौर जो कार्य कर रहे है उसको लेकर मैं उनको सुझाव भी देती हूं, जिसे वे सहजभाव से स्वीकार भी करते है। महाजन ने उन्नसे भारतवन और शहर से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा भी की। ताई ने यह भी कहा कि इंदौर को बहुत समझदार और अच्छा महापौर मिला है। रही बात व्यस्तता की तो मैं बहुत अच्छे से समझती हूं, जब मैं लोकसभा स्पीकर थी तब मैं भी बहुत व्यस्त रहती थी।

वहीं, महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा

आप (ताईजी) हमारी बहुत वरिष्ठ नेता है, हम आपके मार्गदर्शन में ही हम लगातार कार्य कर रहे है। हर दो महीने में मैं मिलता भी हूं, जो भी कार्य करते है, उनकी जानकारी देता हूं। सुझाव भी लेता हूं। उन्होंने कहा ताईजी आप हमारे परिवार की वरिष्ठ सदस्य है, आपके सुझाव पर ही हम कार्य करते है। मेट्रो को लेकर आपने जो भी सुझाव दिए, हमने उसी अनुसार कार्य किया है।

तेज़ बारिश के दौरान

यातायात के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में क्विक रिस्पॉन्स टीम यातायात व्यवस्था बनाए रखने हेतु रही मुस्तैद

रणजीत टाइम्स » » आदित्य शर्मा

इंदौर। में तेज़ बारिश के दौरान सुगम यातायात व्यवस्था प्रदान करना एक चुनोतिपूर्ण कार्य है, इसके बावजूद इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा कुशल प्रबंधन एवं त्वरित कार्यवाही के माध्यम से यातायात व्यवस्था को पूर्ण रूप से सुचारू बनाए रखा गया।

कल दिनाँक 6 मई को अत्यधिक बारिश के दौरान यातायात पुलिस मुस्तेद रही।जिन चिन्हित स्थानों पर सामान्यत: जलभराव के कारण यातायात बाधित होता है, वहाँ वरिष्ठ यातायात अधिकारियों की निगरानी में ट्रैफिक पुलिस की क्विक रिस्पांस टीम ने तत्क्षण मौके पर पहुंचकर आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित कीं। पुलिस उपायुक्त श्री राजेश त्रिपाठी जी एवं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, यातायात श्री संतोष कुमार कौल व यातायात के समस्त

सहायक पुलिस आयुक्त ने प्रमुख चौराहों एवं संवेदनशील मार्गों पर पहुँचकर यातायात व्यवस्था देखी। यातायात व्यवस्था में लगे अधिकारी एवं कर्मचारी को दिशानिर्देश दिए। यातायात पुलिस कंट्रोल रूम द्वारा अन्य विभागों के साथ बेहतर समन्वय कर यथा स्थिति से अवगत कराया गया। जिससे किसी भी प्रकार के यातायात जाम की स्थिति उत्पन्न नहीं हुई। इसके अतिरिक्त, आपातकालीन सेवाओं जैसे एम्बुलेंस आदि को निर्बाध मार्ग प्रदान करने हेतु विशेष सतर्कता बरती गई। समस्त संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रभावी समन्वय किया। यातायात पुलिस इन्दौर आम नागरिकों से अपील करती है कि सावधानीपूर्वक वाहन चलाएँ एवं यातायात नियमों का पालन कर व्यवस्था बनाए रखने में इसी प्रकार अपना सहयोग प्रदान करें।

भीषण सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल मशहुर गायक पवनदीप राजन

रणजीत टाइम्स » » आदित्य शर्मा

मशहुर गायक जोकि इंडियन आइडल सीजन 12 के विजेता रहे और अपनी मधुर आवाज के लिए जाने हैं, एक भीषण सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए.. यह हादसा अमरोहा में उस वक्त हुआ वह जब वह उत्तराखंड से दिल्ली की तरफ जा रहे थे. उनकी हेक्टर कार भी इस हादसे में बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई. बताया जा रहा है कि पवनदीप और उसकी कार में सवार अन्य दो लोग भी बुरी तरह चोटिल हुए हैं और उनकी हालत को देखते हुए दिल्ली रेफर कर दिया गया है..ड्राइवर को नींद की झपकी से हादसा हुआ भगवान से यही प्राथना है की आप और आप के साथि जल्द से जल्द ठीक हो जाए।

मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड का नया भवन बनेगा

इस भवन का नाम पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम के नाम पर होगा... मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की घोषणा।

रणजीत टाइम्स

इंदौर, बुधवार 7 मई 2025

03

DIGITAL EDITION

रणजीत टाइम्स

जीनियस पॉइंट की छात्रा हर्षित प्रजापत ने बोर्ड दसवीं में 94,4% अंक लाकर माता-पिता का नाम रोशन किया

एक्सीलेंट एकेडमी नेफिर लहराया सफलता का परचम

रणजीत टाइम्स

दीपक तोमर जिला ब्योरो चीफ

मंडलेश्वर।कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में एक्सीलेंट एकेडमी, मंडलेश्वर का परिणाम उत्कृष्ट रहा।कक्षा 12वीं की छात्र अभिअली ने बायोलॉजी विषय में शानदार 95.2% अंक प्राप्त कर राज्य स्तर पर 8वाँ स्थान हासिल किया है। ओर कक्षा 10वी की छात्रा बुलबुल पटेल ने 93 %अंक अर्जित किए हैं।यह संस्था और नगर के लिए गर्व का क्षण है।इस गौरवशाली उपलब्धि पर संस्था के संचालक विकास पाटीदार, सचिन पाटीदार, प्राचार्य उम्मेदसिंह पटेल एवं समस्त स्टाफ ने छात्र एवं छात्रा को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं।

ABIALI BAWAHIR

चिखलीमाल हाई स्कूल में सर्वश्रेष्ठ रहा दसवीं का परीक्षा परिणाम

मजदूर दंपती की बेटी शिवानी बनीं टॉपर, प्रवीण्य सूची में बनाई जगह

रणजीत टाइम्स

संदीप वाईकर बैतूल

बैतूल। जिले के घोड़ाडोंगरी विकासखंड अंतर्गत हाई स्कूल चिखलीमाल का दसवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम इस वर्ष सर्वश्रेष्ठ रहा। कुल परीक्षा परिणाम 86.37 प्रतिशत रहा जो पिछले वर्षों की तुलना में उच्चतम है। विद्यालय की छात्रा शिवानी कवड़े ने 82.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर टॉप किया है। शिवानी के पिता और माता मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं,

लेकिन कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने बेटी को आईएएस अधिकारी बनाने का सपना संजोया और उसकी पढ़ाई में कोई कसर नहीं छोड़ी। शिवानी ने भी उनकी मेहनत को सार्थक करते हुए जिले में स्कूल का नाम रोशन किया। दूसरे स्थान पर साक्षी यादव रहीं जबकि तीसरा स्थान प्रियांशी यादव को प्राप्त हुआ। कुल 17 छात्र-छात्राएं प्रथम श्रेणी में पास हुए हैं। संस्कृत विषय में स्कूल का परिणाम 100 प्रतिशत रहा, जिसके कक्षा शिक्षक राजेश पाटिल रहे हैं। परीक्षा प्रभारी राजेश पाटिल ने विद्यालय के इस ऐतिहासिक परीक्षा परिणाम की जानकारी दी।

विद्यालय की वर्तमान प्रभारी प्राचार्य श्रीमती मनीषा घोड़की, संकुल प्राचार्य मधु कुमार माकोड़े और समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दीं। पूर्व प्रभारी प्राचार्य आनंद कुमार साहू ने भी इस उपलब्धि पर सभी को बधाई दी। उन्होंने बताया कि यह परीक्षा परिणाम उनके कार्यकाल का सर्वश्रेष्ठ रहा है। आनंद साहू ने पूर्व में यह घोषणा की थी कि जो भी छात्र प्रवीण्य सूची में स्थान बनाएंगे, उन्हें 26 जनवरी को 5 हजार की नकद राशि एवं स्कूल की साल भर की फीस दी जाएगी। इसके साथ ही विद्यालय या जिले की प्रावीण्य सूची में आने वाले विद्यार्थियों को कक्षा 12वीं तक की पूरी फीस आनंद साहू द्वारा वहन की जाएगी। अपने विदाई कार्यक्रम के दौरान आनंद साहू ने विद्यार्थियों से उपहार लेने से इनकार करते हुए केवल इतना कहा था कि कक्षा 10वीं का 100 प्रतिशत परिणाम ही मेरा सबसे बड़ा उपहार होगा।" छात्रों ने उनकी इस बात को गंभीरता से लिया और पूरे समर्पण व मेहनत से तैयारी की, जिसका नतीजा आज सामने आया है। हाई स्कूल चिखलीमाल ने इस वर्ष परीक्षा परिणाम में मेहनत, प्रेरणा और समर्पण का उदाहरण प्रस्तुत कर पूरे क्षेत्र में एक नई पहचान बनाई है।

सीमांकन नहीं करने पर पटवारी के विरुद्ध कार्रवाई करने के दिए निर्देश

जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का अधिकारी समय सीमा में करें निराकरण : कलेक्टर श्री सूर्यवंशी

कलेक्टर ने जनसुनवाई में नागरिकों की सुनीं समस्याएं श्रम विभाग अधिकारी और पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन यंत्री को कारण बताओ नोटिस किए जारी

संदीप वाईकर बैतूल

कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया। जनसुनवाई में चिचोली तहसील के ग्राम ग्राम हर्रावाड़ी निवासी रतनी उइके ने आवेदन के माध्यम से बताया कि लोक सेवा गारंटी के तहत फरवरी माह में सीमांकन के लिए आवेदन देने के बाद भी अब तक पटवारी सहदेव गंगारे द्वारा सीमांकन नहीं किया गया है। प्राप्त आवेदन को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने उक्त पटवारी के विरुद्ध कार्रवाई करने तथा तत्काल सीमांकन कराए जाने के निर्देश बैतूल तहसीलदार को दिए हैं।जनसुनवाई में कुल 94 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने प्राप्त आवेदनों का समय सीमा में निराकरण किए जाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि एक ही शिकायत के निराकरण के लिए आवेदक को बार-बार जनसुनवाई में न आना पड़े यह सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षत जैन एवं संयुक्त कलेक्टर श्री मकसूद अहमद ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनीं।

सभी जिला अधिकारी जनसुनवाई में रहे उपस्थित

जनसुनवाई में श्रम विभाग के अधिकारी और पीडब्ल्यूडी कार्यपालन यंत्री के अनुपस्थित रहने पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कारण बताओं नोटिस जारी किए जाने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे स्वयं जनसुनवाई में उपस्थित रहे। अपने कार्यालय के प्रतिनिधियों को न भेजे। निर्देशों का उल्लंघन किए जाने पर संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी।

अवैध कब्जा हटाने के दिए निर्देश

जनसुनवाई में भैंसदेही तहसील के ग्राम ढोकना रैय्यत निवासी मोनथा ने खानदानी जमीन पर कब्जा होने की शिकायत आवेदन के माध्यम से की। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने भैंसदेही तहसीलदार को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। बैतूल मुख्यालय के गौठाना निवासी रवि शुक्ला सहित अन्य लोगों ने रास्ते पर लगे 11 केव्ही के पोल को हटाने के लिए आवेदन दिया। जिस पर जिला पंचायत कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने एमपीईबी के संबंधित अधिकारी को शिकायत के निराकरण के निर्देश दिए। इसी प्रकार बैतूल मुख्यालय के बडोरा निवासी एनएल हरोड सहित अन्य लोगों ने कृष्णा नगर की बंद नाली को खुलवाकर पाइपलाइन डालने की मांग की। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने जनपद पंचायत सीईओ को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए। बैतूल तहसील के ग्राम लोहारिया निवासी गुंजन खंडागरे ने जाति प्रमाण पत्र बनवाए जाने के लिए आवेदन दिया। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने संबंधित अधिकारी को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में ग्राम शोभापुर निवासी गेंदलाल ने सर्विस बुक की कॉपी, ग्रेच्युटी की राशि तथा फंड दिलवाए जाने के लिए आवेदन दिया। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने श्रम विभाग के संबंधित अधिकारी को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए।

संबल कार्ड पात्र किए जाने की मांग

प्रभात पट्टन तहसील के ग्राम अमरावती घाट निवासी ललिता नाडेकर ने संबल कार्ड पात्र किए जाने के संबंध में आवेदन दिया, जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने श्रम विभाग के अधिकारी को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए। आमला तहसील के ग्राम नांदपुर निवासी अनीता चौहान ने नल जल योजना के अंतर्गत पानी की समस्या का निराकरण किए जाने की मांग की। प्राप्त आवेदन पर जिला पंचायत सीईओ श्री जैन ने जनपद पंचायत आमला सीईओ को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए। मुलताई तहसील के ग्राम देहगुड़ निवासी तरुण नागले ने जनसुनवाई में आवेदन देकर खेत में आने जाने का रास्ता दिए जाने की मांग की, जिस पर जिला पंचायत सीईओ श्री जैन ने मुलताई तहसीलदार को प्रकरण की जांच कर निराकरण के निर्देश दिए। प्रभात पट्टन तहसील के ग्राम देवभिलाई के ग्रामीणों ने तालाब की दीवार की मरम्मत कराए जाने की गुहार लगाई। प्राप्त आवेदन पर जिला पंचायत सीईओ श्री जैन ने जनपद पंचायत प्रभात पट्टन सीईओ को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए।

सनातनी हिन्दू किन्नर समाज में क्या कलेक्टर पर प्रदर्शन ज्ञापन

मुस्लिम किन्नरों पर लगाया धर्म परिवर्तन का आरोप

रंजीत टाइम्स

इंदौर। सनातनी हिंदू किन्नर समाज ने आज कलेक्टर ऑफिस पर धर्म गुरु सपना गुरु के नेतृत्व में सैकड़ो की संख्या में उपस्थित होकर प्रदर्शन किया। इनका आरोप है कि पायल हाजी उर्फ नईम अंसारी मालेगाव से फर्जी किन्नर ओ लाकर यहां पर हिंदू किन्नर ओ पर जबरन धर्म परिवर्तन का दबाव बना रहा है और कहता है तुम मुसलमान बन जाओ।

धर्म गुरु सपना गुरु का कहना है कि हमें नईम अंसारी से जान काखतरा है किसी को लेकर आज किन्नर समाज ने इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह से भेंट कर अपनी पीड़ा बताई। कलेक्टर साहब ने इस मामले में उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

गोटेगांव तहसील भवन का छज्जा गिरा

गोटेगांव नगर में स्थित तहसील कार्यालय में उस वक्त हड़कंप मच गया जब आज दिन मंगलवार को भवन का छज्जा अचानक भरभरा कर गिर गया जिसमें वहां पर खड़े अधिवक्ता और नागरिक घायल होने से बाल बाल बच गए। एवं छज्जे के नीचे खड़ी तहसीलदार का शासकीय वाहन भी क्षतिग्रस्त होने से बच गया,गनीमत रही

बड़ा हादसा होने से टल गया।ज्ञात हो यह तहसील कार्यालय भवन काफी ज्यादा क्षतिग्रस्त होकर जर्जर हालत में पहुंच चुका है। यह भवन चारों तरफ से क्षतिग्रस्त हो चुके हैं,और इसके अंदर बैठकर कार्य करने वाले अधिकारी कर्मचारी भी जोखिम उठाकर शासकीय कार्य कर रहे हैं।

दैवीय संपदा को प्राप्त करने का मार्ग है सहजयोग

तेजः क्षमा धृतिः शौचमद्रोहो नातिमानिता।
भवन्ति सम्पदं दैवीमभिजातस्य भारत।।
श्रीमद्भगवद्गीता

अर्थ - तेज (प्रभाव), क्षमा, धैर्य, शरीरकी शुद्धि, वैर भाव का न रहना और मान को न चाहना, हे भरतवंशी अर्जुन ! ये सभी दैवी सम्पदाको प्राप्त हुए मनुष्यके लक्षण हैं। प. पू. श्री माताजी निर्मला देवी प्रणित सहजयोग एक अनूठी ध्यान पद्धति इसलिये है क्योंकि यह ध्यान के साधक को सर्व-प्रथम 'निर्विचार अवस्था' प्रदान करता है और तद्नंतर साधक आत्मपरीक्षण कर अपनी अध्यात्मिक उत्थान की और अग्रसर होता है। पाँच हजार वर्ष पूर्व भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को यह योग यह बताया था और आज के कलियुग में पुनः एक बार आत्मा का ज्ञान देने वाला यह योग प. पू. श्री माताजी ने हम सभी के लिये प्रतिस्थापित किया है। इस ध्यान योग के माध्यम से जब हमारे सूक्ष्म शरीर में स्थित एक-एक चक्र स्वच्छ होते हैं तब हम धीरे-धीरे - अर्जुन जैसे देवी संपदा से अलंकृत होते हैं। जब

हमारा मूलाधार चक्र स्वच्छ होता है तब हम अंतस से शुद्ध, निर्मल, निरंजन और अबोध बनते हैं।नियमित ध्यान से जब हमारा हृदय चक्र स्वच्छ होता है तब इसे धृतिः अर्थात धैर्य, आत्मविश्वास प्राप्त होता है । हमारे अंतकरण में सभी के लिए मित्रता की भावना और अतिशयता का अभाव व संपूर्ण संतुलन की अवस्था प्राप्त होती है ।

आज्ञा चक्र स्वच्छ होते ही हम क्षमाशील बन जाते हैं और सहस्त्रार चक्र पर नियमित ध्यान करने से हमें तेज अर्थात तेजस्विता प्राप्त होती है। हमारे संपर्क में आने वाले नकारात्मक व्यक्ति को भी हमारी उपस्थिति में गलत बर्ताव करने का साहस नहीं होता । प. पू. श्रीमाताजी कहते हैं कि उपरोक्त वर्णित सारे गुण एक सहज साधक में स्थित होने चाहिये अन्यथा सहज योग नहीं बढ़ेगा। भगवान श्रीकृष्ण ने हमें आत्मपरीक्षण करना सिखाया। हमें अपने अंदर के दोष ढूंढकर उन्हें निकालना होगा। हमे अपनी दृष्टि दूसरों से हटाकर अपनी ओर करनी होगी। श्री कृष्ण जी का स्थान हमारे विशुद्धि चक्र पर है और उनका ध्यान करने से हमारे अंदर के सारे दोषों की सफाई होती है और हमारे अंदर श्री कृष्ण जी के गुण जैसे की मधुरता, आल्हाद, हर्षोल्लास प्रस्थापित होता है। हम अपने आपसे या अन्य किसी से कभी भी नाराज नहीं होना चाहिये, यही सही मायने में श्री कृष्ण जी की पूजा है। तो आईये अपने अंदर दैवी संपदा धारण करने व जागृत करने के लिए सीखते हैं सहजयोग। अपने नजदीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं या वेबसाइट www.sahajayoga.org.in पर देख सकते हैं।

जनसुनवाई में सुनी गई 60 आवेदकों की समस्याएं

रंजीत टाइम्स

दीपक तोमर

खरगोन।प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 06 मई को कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इसमें जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आकाश सिंह, अपर कलेक्टर श्रीमती रेखा राठौर एवं संयुक्त कलेक्टर श्रीमती हेमलता सोलंकी ने अन्य अधिकारियों के साथ आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को उनका त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में 60 आवेदक अपनी समस्याएं लेकर आए थे। जनसुनवाई में बड़वाह तहसील के ग्राम लौंदी का किशन पिता सौदान भालेराव शिकायत लेकर आया था कि उसके ससुर दिनेश गांगले, सास ललिता गांगले एवं साले भारत गांगले के द्वारा उसे 02 लाख रुपये में जमीन बेची गई थी। बाद में पता चला कि वह जमीन सरकारी थी और उस पर उसके सास-ससुर चौकीदारी करते थे। उसके द्वारा सास-ससुर से 02 लाख रुपये वापस मांगने पर उनके द्वारा मारपीट की जा रही है और उनके द्वारा उसकी पत्नी और बच्चों को भी अपने साथ ले जा लिया गया है। सास-ससुर द्वारा पत्नी के सारे गहने गिरवी रख दिये गये हैं और उसके द्वारा खरीदी गई जमीन के सारे कागजात भी अपने पास रख लिये गये हैं। उसे पुलिस में रिपोर्ट भी नहीं करने दे रहे हैं। अंतः उसके ससुराल पक्ष पर कार्यवाही की जाये और उसके 02 लाख रुपये वापस दिलाये जायें। इस प्रकरण को सुनने के बाद कार्यवाही के लिए पुलिस अधीक्षक को भेजा गया है।

कसरावद तहसील के ग्राम कठोरा की कविता बुंदेला शिकायत लेकर आयी थी कि उसका मकान सरदार सरोवर परियोजना के डूब क्षेत्र में है और उसके पास निवास का अन्य कोई साधन नहीं है। अतः उसे अतिशीघ्र मुआवजा राशि दिलायी जाये। इस प्रकरण में एनव्हीडीए के भू-अर्जन अधिकारी को कार्यवाही करने कहा गया है। भीकनगांव तहसील के ग्राम शकरखेड़ी की विधवा महिला मांगई बाई शिकायत लेकर आयी थी कि उसकी जमीन पर यादव समाज के लोगों द्वारा कब्जा कर लिया गया है और उस पर धर्मशाला बनाई जा रही है। उसके द्वारा विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी जा रही है। उसके द्वारा पुलिस से भी मदद मांगी गई है, लेकिन कोई मदद नहीं मिली है। इस प्रकरण में भीकनगांव तहसीलदार को जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं।

जनसुनवाई में कसरावद तहसील के ग्राम पंचायत रणगांव के ग्राम काकरियाव का अशोक पठौते शिकायत लेकर आया था कि उसके भाई सुरेश पठौते की 10 जनवरी 2019 को वाहन दुर्घटना में मृत्यु हो गई है। उसके परिवार का संबल कार्ड बना हुआ है। उसके परिवार को 04 लाख रुपये की अनुग्रह सहायता राशि स्वीकृत हो चुकी है, लेकिन श्रम कार्यालय एवं जनपद पंचायत कार्यालय का कई बार चक्कर लगाने के बाद भी अब तक यह राशि प्राप्त नहीं हुई है। इस प्रकरण में जिला श्रम पदाधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये है। जनपद पंचायत भगवानपुरा की ग्राम पंचायत दाबला का किसान गोरेलाल पिता सोमारिया अपने खेत में कपिलधारा कूप निर्माण की स्वीकृति दिलाने की मांग लेकर आया था। गोरेलाल का कहना था कि वह 2021-22 से अपने खेत में कूप निर्माण की स्वीकृति देने की मांग कर रहा है, लेकिन सरपंच, सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक द्वारा उससे झूठ बोला जा रहा है। जिसके कारण उसे परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस प्रकरण में जनपद पंचायत भगवानपुरा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं।

जनसुनवाई में नवलपुरा बिस्टान निवासी साबीर पठान अनुकंपा नियुक्ति दिलाने की मांग लेकर आया था। उसका कहना था कि उसके पिता सत्तार पठान ग्राम पंचायत बलखड़ खुर्द में पंचायत सचिव के पद पर पदस्थ थे और उनकी शासकीय सेवा के दौरान 27 नवंबर 2018 को मृत्यु हो गई है। लेकिन 06 साल बाद भी उसे अनुकंपा नियुक्ति नहीं मिली है। इस प्रकरण में जिला पंचायत कार्यालय को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है। भीकनगांव विकासखंड की ग्राम पंचायत अंदड़ का निवासी सुनील यादव प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग लेकर आया था। उसका कहना था कि वह बहुत गरीब है और 33 वर्षों से टीनशेड के मकान में रह रहा है। उसके द्वारा ग्राम पंचायत एवं जनपद पंचायत में कई बार आवेदन किया गया है, लेकिन उसे अब तक आवास योजना का लाभ नहीं दिलाया गया है। इस प्रकरण में जनपद पंचायत भीकनगांव की मुख्य कार्यपालन अधिकारी को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं।

जनपद पंचायत सेगांव की ग्राम पंचायत गोलवाड़ी की मंजू अंडेलकर प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग लेकर आयी थी। उसका कहना था कि वह बहुत गरीब है और लाड़ली बहना योजना की हितग्राही भी है। मजदूरी कर जीवन यापन करने के कारण वह मकान बनाने में सक्षम नहीं है। वह टूटे-फूटे मकान में रहती है और उसका मकान बारिश के दिनो में गिर सकता है। उसकी पंचायत के उससे सम्पन्न परिवारों को इस योजना का लाभ मिल चुका है, लेकिन उसे अब तक इस योजना के लाभ से वंचित रखा गया है। अतः उसे शीघ्र आवास योजना का लाभ दिलाया जाये। इस प्रकरण में जनपद पंचायत सेगांव की मुख्य कार्यपालन अधिकारी को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं।

जनसुनवाई में भगवानपुरा विकासखंड के ग्राम जुनापानी की रंगू बाई पति की मृत्यु के बाद संबल योजना की राशि नहीं मिलने की शिकायत लेकर आयी थी। रंगू बाई का कहना था कि उसके पति दयाराम की 06 मार्च 2020 को स्वास्थ्य खराब होने के कारण मृत्यु हो गई है। उसके द्वारा ग्राम पंचायत हीरापुर के सरपंच एवं सचिव को संबल कार्ड और सभी दस्तावेज सौंप दिये गये हैं, लेकिन 04 साल बाद भी उसे संबल योजना की अंत्येष्टि और अनुग्रह राशि नहीं मिली है। सरपंच सचिव द्वारा कहा जा रहा है कि हमने कागज ऊपर भेज दिया है और वहां से राशि नहीं आ रही है। इस प्रकरण में जनपद पंचायत भगवानपुरा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं। ग्राम सिपटान निवासी शुभम पिता सेवकराम शिकायत लेकर आया था कि उसने पन्ना जिले के ग्राम तुर्कीताल निवासी पुष्पा पिता संतलाल कुशवाह से 28 अगस्त 2024 को अंतर्जातीय विवाह किया है। लेकिन सारे दस्तावेज जमा करने के बाद भी उसे अब तक अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना की 02 लाख रुपये की राशि नहीं मिली है। इस प्रकरण में सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं।

गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल कक्षा दसवीं का परीक्षा घोषित

रंजीत टाइम्स

गोटेगांव नगर के गुरुकुल इंटरनेशनल हायर सेकेंडरी स्कूल गोटेगांव में कक्षा दसवीं का परीक्षा परिणाम 100% रहा। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा दिनांक 06/05/25 को दसवीं कक्षा का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। जिसमें स्कूल के समस्त छात्र छात्राओं का प्रदर्शन अच्छा रहा। जिसमें प्रथम स्थान पर निधि बझैया पिता स्व.राजेश बझैया,द्वितीय स्थान पर आकांक्षा सेन पिता दिनेश सेन और सौम्या राजपूत पिता महेंद्र पाल सिंह राजपूत, तृतीय स्थान पर राजकुमारी नौरिया पिता बसंत नौरिया रही। परीक्षा में शानदार अंक प्राप्त करने पर सभी छात्र-छात्राओं के चेहरे खिल उठे एवं समस्त छात्र-छात्राओं का परिणाम शत प्रतिशत रहा,स्कूल की प्राचार्या श्रीमती करुणा दुबे ने छात्र छात्राओं को बधाई दी एवं उनके अच्छे भविष्य की कामना की है।

वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश क्षेत्रीय कार्य समिति की बैठक

रंजीत टाइम्स

गोटेगांव विगत 22 / 23 मार्च को अनूपपुर में सम्पन्न प्रदेश कार्यसमिति में निर्णय लिया गया कि प्रदेश को 7 क्षेत्रों में बांटा गया एक क्षेत्र मे अधिकतम 3 संभाग को रखा गया तथा प्रदेश कार्यसमिति बैठक के समानांतर क्षेत्रीय कार्यसमिति की बैठक 6 माह में 1 बार की जाए ,क्षेत्रीय कार्यसमिति में अपेक्षित सदस्य इस प्रकार रहेंगे,उस क्षेत्र में रहने वाले प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य, तीनों ईकाई के संभागीय प्रभारी एवं संभागीय अध्यक्ष , तीनों ईकाई के जिला प्रभारी एवं जिलाध्यक्ष। संगठन की विस्तार एवं आगामी कार्य योजना के लिए,आज 7 मई 2025 बुधवार को क्षेत्रीय कार्यसमिति की बैठक (जबलपुर संभाग,छिंदवाड़ा संभाग एवं मंडला संभाग कोर ग्रुप सदस्य गण) की आवश्यक बैठक प्रदेश अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल अध्यक्षता एवं कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष संदेश जैन के मुख्य आतिथ्य में महिला प्रदेश अध्यक्ष ज्योति जैन तथा प्रदेश के पदाधिकारियों के विशिष्ट आतिथ्य में होटल रजवाड़ा लूघरवाड़ा सिवनी में सुबह 10 बजे से आयोजित होने जा रही है। उपरोक्त बैठक में जबलपुर,छिन्दवाड़ा एवं बालाघाट संभाग के अन्तर्गत आने वाले जिलों के अपेक्षित पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे,नरसिंहपुर जिले से प्रदेश के महामंत्री सुनील कोठारी, प्रदेश कार्य समिति सदस्य मिनेंद्र डागा,जिला प्रभारी बी डी सोनी,कार्यकारी जिला अध्यक्ष सुधीर जैन करेली, युवा इकाई जिला प्रभारी अमित जैन,जिला अध्यक्ष आयुष कठल,महिला इकाई जिला अध्यक्ष सपना जैन ,आदि शामिल होंगे।

बुधवार की शाम बुधवार 7.30 से 7.42 तक ब्लैक आउट

रंजीत टाइम्स

जबलपुर।पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान में उपजे तनाव के बीच केंद्र सरकार के निर्देशानुसार देश भर में बुधवार को मॉक ड्रिल होगी। इसके तहत मध्यप्रदेश के चुनिंदा शहरों में मॉक ड्रिल की जाएगी। इनमें राजधानी भोपाल के अलावा जबलपुर, इंदौर, ग्वालियर, कटनी जिला शामिल है। जबलपुर में प्रशासन इसकी तैयारियों में जुट गया है। इसके तहत बुधवार को पूरे शहर की बिजली 10 मिनट के लिए बंद कर दी जाएगी।सभी चौक-चौराहों एवं अन्य प्रमुख स्थानों को मिलाकर कुल.... जगहों पर सायरन बजाए जाएंगे। सड़कों पर वाहनों के पहिए भी थम जाएंगे जबलपुर कलेक्टर दीपक सक्सेना ने मंगलवार को कहा कि बुधवार 7.30 से 7.42 तक ब्लैक आउट किया जाएगा। इसके पूर्व शाम 4 बजे शहर के कई क्षेत्रों में मॉकड्रिल होगी।

यह जानकारी कलेक्टर दीपक कुमार सक्सेना और पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय ने दी। कलेक्टर ने कहा कि ब्लेक आउट और मॉकड्रिल कोई खतरे के लिए नहीं है युद्ध के दौरान बचाव के तरीकों की मॉक ड्रिल होगी। इस दौरान सड़कों पर गाड़ियों के पहिए भी थम जाएंगे। वाहनों का परिचालन प्रतिबंधित रहेगा। पुलिस, फायर ब्रिगेड और जिला प्रशासन के वाहनों में लगे सायरन भी बजाए जाएंगे। कलेक्टर सक्सेना ने कहा कि मॉक ड्रिल के दौरान लोगों से अपने मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करने का भी निर्देश दिया गया है। घरों और दुकानों पर इन्वर्टर भी चालू नहीं करने की अपील की गई है। यह मॉक ड्रिल लगभग 10 मिनट तक चलेगी। 7 बजकर 42 मिनट पर बिजली व्यवस्था फिर से बहाल कर दी जाएगी। जानकारी के अनुसार मॉक ड्रिल के दौरान जबलपुर के महत्वपूर्ण जगहों पर एक साथ सायरन बजाया जाएगा। इसके बाद फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस की गाड़ियां सड़क पर दौड़ेंगी। लोगों को सिविल डिफेंस की ट्रेनिंग दी जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों को इस संबंध में सर्कुलर भेजा है। इसके आधार पर मध्यप्रदेश सरकार मॉक कर रही है। सिविल डिफेंस के साथ ही होमगार्ड, एनसीसी और स्कूलों-कॉलेजों के बच्चों को भी मॉक ड्रिल में शामिल किया जा सकता है। इसमें हवाई हमले स्थिति में बचाव की तैयारियों पर जोर दिया जाएगा।

'ऑपरेशन सिंदूर' लॉन्च

भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को एक नया आयाम देते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' को लॉन्च किया है

रंजीत टाइम्स

इस ऑपरेशन में भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तान और PoK में स्थित 9 आतंकी ठिकानों पर टारगेटेड स्ट्राइक की है. यह कार्रवाई रात डेढ़ बजे के आसपास अंजाम दी गई. ये हमला बहावलपुर, कोटली और मुजफ्फराबाद में किया गया है शुरुआती जानकारी के मुताबिक, भारतीय वायु सेना ने अत्यन्त सटीक और सावधानीपूर्वक इन ठिकानों को निशाना बनाया है पीआईबी ने जानकारी दी है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' की प्लानिंग को बहुत ही रणनीतिक रूप से तैयार किया गया ताकि आतंकवादियों की गतिविधियों को करारा जवाब दिया जा सके.

पीआईबी ने बताया कि इस ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तान की सैन्य सुविधाओं को नहीं छुआ गया है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि कार्रवाई का असल मकसद आतंक को खत्म करना है, न कि पड़ोसी मुल्क के साथ संघर्ष को बढ़ाना. वायु सेना की तरफ से ये स्ट्राइक भारत के कमोबेश 300 लोकेशन पर होने वाले मॉक ड्रिल से कुछ घंटे पहले किया गया है।

जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया गया!

पीआईबी के मुताबिक, ये कदम पहलगाम में हुए बर्बर आतंकवादी हमले के बाद उठाए गए हैं, जिसमें 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की हत्या कर दी गई थी. भारत अपनी इस प्रतिबद्धता पर खरा उतरा है कि इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा. पीआईबी ने बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आगे की जानकारी जल्द ही दी जाएगी।

कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि 7 मई को मध्य प्रदेश के पांच प्रमुख शहरों इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और कटनी में मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी

रंजीत टाइम्स

इंदौर। यह मॉक ड्रिल केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर हो रही है, जिसका उद्देश्य नागरिक सुरक्षा को मजबूत करना है मॉक ड्रिल की विशेषताएं समय मॉक ड्रिल 7 मई को शाम 4 बजे से शुरू होगी और इसमें तीन चरण शामिल होंगे ब्लैकआउट शाम 7:30 बजे ब्लैकआउट किया जाएगा, जिसमें शहर की लाइटें बंद कर दी जाएंगी सायरन शाम 4 बजे दुश्मन के हमले की चेतावनी देने वाले सायरन बजेंगे, जिससे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने का अभ्यास हो सके स्थान इंदौर के अलावा महू और देपालपुर में भी मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी कलेक्टर आशीष सिंह ने लोगों से अपील की है कि वे घबराएं नहीं, यह सामान्य प्रक्रिया है जिसका पालन सभी को करना है। मॉक ड्रिल का उद्देश्य नागरिकों को आपातकालीन स्थितियों में तैयार करना और सुरक्षा एजेंसियों की तैयारियों का आकलन करना है।

रहस्यों से भरा है दुनिया का सबसे छोटा रेगिस्तान

वैज्ञानिक भी अब तक नहीं सुलझा सके गुत्थी

रेगिस्तान हमारी धरती के एक तिहाई हिस्से में फैले हुए हैं। सहारा या रुब-अल खाली जैसे बड़े रेगिस्तानों के बारे में आपने कहीं ना कहीं पढ़ा जरूर होगा। हो सकता है कि सऊदी अरब, मिस्र, मंगोलिया, नामीबिया, मोरक्को, ओमान के रेगिस्तान कभी देखे भी हों। अगर नहीं तो भारत-पाकिस्तान के बीच फैले थार के रेगिस्तान के दीदार ही किए हों। लेकिन आज हम आपको दुनिया के सबसे छोटे रेगिस्तान की कहानी बताएंगे।

कनाडा के युकोन सूबे में कारक्रॉस डेजर्ट नाम का एक छोटा-सा रेगिस्तान है। इसका रकबा महज एक वर्ग मील का है जिसे कदमों से भी मापा जा सकता है। इस रेगिस्तान के पास ही बसा कारक्रॉस गांव करीब 4500 साल पहले आबाद हुआ था। यहां इस वक्त कुल जमा 301 लोग रहते हैं।

स्थानीय निवासी कीथ वॉल्फ स्मार्च का कहना है कि ये जगह यहां के लोगों के लिए भी एक पहेली है। कीथ लकड़ी पर नक्काशी का काम करते हैं और यहां की प्राकृतिक छटा उन्हें अपने काम में नए-नए तजुर्बे करने की प्रेरणा देती है। क्रॉस रिवर के किनारे बहुत तरह की दुर्लभ वनस्पतियां हैं, लेकिन इनके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं।

कारक्रॉस डेजर्ट काफी ऊंचाई वाले इलाके पर है। सदियों तक ये इलाका लोगों की जानकारी के बाहर था। अब से करीब 4500 साल पहले यहां बैनेट और नारेस झीलें आपस में मिलती थीं और कुदरती तौर पर एक पुल बन गया था। इस पुल के सहारे ही लोगों ने पलायन करना शुरू किया और यहां कारक्रॉस गांव बसा। इस डेजर्ट का नाम कारक्रॉस ही क्यों पड़ा, इसके पीछे भी एक दिलचस्प कहानी है।

दरअसल, पुल बनने के बाद कारिबू नाम की जंगली जनजाति के झुंड यहां आकर बसने लगे। इन्हीं के साथ नताशाहीन नदी के नजदीक शिकार के मकसद से तिलिंगित और तागिश नाम के घुमंतू कबीले आकर बसने लगे। लिहाजा कारिबू और क्रॉसिंग शब्दों के आवाजों को मिलाकर इस जगह का नाम कारक्रॉस रख दिया गया।

कारक्रॉस तक जो भी पहुंचा है उसने यहां सफेद रंग से सजे पुराने चर्च, एक जरनल स्टोर, पुरानी जंग लगी कुल्हाड़ियां और बारहसिंघों के सींगों से सजे कुछ केबिन जरूर देखे होंगे। ये सब चीजें क्लोंडिक दौर की हैं। ये वो दौर था जब डॉसन सिटी और अटलिन के पास लोग सोने की खुदाई के लिए आते थे। लेकिन आज हालात बदल चुके हैं।

कारक्रॉस डेजर्ट को अब एडवेंचर प्लेग्राउंड के तौर पर विकसित किया जा चुका है। हर हफ्ते यहां बड़ी संख्या में एडवेंचर प्रेमी आते हैं। गर्मी के मौसम में एक तरफ यहां बाइक प्रेमी अपना शौक पूरा करने आते हैं, तो वहीं दूसरी तरफ ये जगह पहाड़ी बकरियों, हिरणों, और डैल भेड़ के लिए पनाहगाह भी बनती है। सर्दी के मौसम में यहां बर्फ खूब पड़ती है और रेत पर जमा बर्फ का मजा लेने वालों की संख्या बढ़ जाती है।

कारक्रॉस डेजर्ट सिर्फ सैलानियों का ही गढ़ नहीं बल्कि कनाडा के वैज्ञानिकों और भूवैज्ञानिकों के लिए रिसर्च सेंटर भी है जो ये पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि पूरे बर्फीले इलाके में ये छोटा-सा रेगिस्तान कैसे बन गया। युकोन जियोलॉजिकल सर्वे की भूवैज्ञानिक पनाया लिपॉस्की का कहना है कि कारक्रॉस का जन्म कुदरत की करीब दस हजार साल की मेहनत का नतीजा है। करीब 11 से 24 हजार साल पहले विस्कॉन्सिन मैक्कॉनेल ग्लेशियर बनने के दौरान ही उत्तरी युकोन में ग्लेशियर जम गया था। उस वक्त कारक्रॉस में करीब एक किलोमीटर बर्फ जम गई थी, लेकिन बाद में जब बर्फ पिघलने लगी तो दक्षिणी युकोन में पानी बढ़ने लगा और इसी पानी से यहां बड़ी नहरें बनीं। चूंकि ग्लेशियर पिघल चुका था लिहाजा जब उत्तर-पश्चिम से रेतीली हवाएं चली तो उसने इस ऊंचाई पर दुनिया का असंभव सा रेगिस्तान बना दिया।

हालांकि कुछ लोग ये कहते हैं कि झील सूखने की वजह से ये रेगिस्ताना बना है, जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है। लिपॉस्की का कहना है कि आज भी बैनेट झील के पास तेज रेतीली हवाएं चलती हैं जिसकी वजह से यहां छोटे-छोटे रेत के टीले बन जाते हैं। कहा जा सकता है कि हिम-युग, पानी और हवा ने मिलकर इस बुलंदी पर एक अद्भुत रेगिस्तान को जन्म दिया है।

कारक्रॉस डेजर्ट के वर्गीकरण को लेकर भी कई मत हैं। कोई कहता है इसे शुष्क रेगिस्तान का दर्जा दिया जाए तो कोई कहता है इसे नमी वाला इलाका माना जाए। विज्ञान के हिसाब से शुष्क रेगिस्तान के दर्जे के लिए किसी भी जगह पर साल में 250 मिलीमीटर से कम बारिश होना चाहिए, जबकि अर्धशुष्क रेगिस्तान वो होता है जहां साल में 250-500 मिलीमीटर बारिश होती है। इस लिहाज से कारक्रॉस डेजर्ट को अर्ध-शुष्क डेजर्ट के वर्ग में रखा जा सकता है, क्योंकि आसपास के पहाड़ों की बारिश का असर यहां की रेत पर पड़ता है। एक बात का और खास ख्याल रखने की जरूरत है। रेगिस्तान में किसी तरह का पौधा नहीं उग सकता। तमाम विरोधाभासों के बावजूद कारक्रॉस को लेकर एक बात पर सबकी सहमति है कि ये जगह आश्चर्य और भय पैदा करती है। यहां आप जितना आगे बढ़ते जाएंगे खौफ बढ़ता जाएगा। लेकिन खौफ से आगे आपको युकोन भेड़िये और गर्मी के मौसम में बाइकल सेज फूल खूब देखने को मिलेंगे। इसके अलावा अब तक जीवों की कई दुर्लभ नस्लें यहां मिल चुकी हैं। उम्मीद है अभी और कई नई जानकारियां यहां से मिलेंगी। यहां के पर्यावरण की जटिलता को पूरी तरह समझना मुश्किल है लेकिन इतना तय है कि ये जगह है बहुत अद्भुत।

वैज्ञानिकों ने खोजा 1600 साल पुराना मोतियों का शहर

संयुक्त अरब अमीरात के पुरातत्वविदों ने एक बड़ी खोज की है। दरअसल उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात में एक प्राचीन नगर की खोज की है। जानकारी के अनुसार यह नगर दुबई से लगभग 42 मील दूर बताया जा रहा है जो उत्तर-पूर्व में अल सिन्नियाह द्वीप पर स्थित है। वहीं इस खोज से पुरातत्व विभाग को एक बड़ी कामयाबी मिली है। दरअसल इसे क्षेत्र के प्रारंभिक इतिहास के बारे में नई जानकारी मिल सकती है। दरअसल इस स्थान को 'पर्लिंग सिटी' या 'मोतियों का शहर' भी कहा गया है। जानकारी के मुताबिक पर्यटकों के लिए लंबे समय अल सिन्नियाह द्वीप एक महत्वपूर्ण आकर्षण बना हुआ है। वहीं पुरातत्वविदों के अनुसार, यहां पर मिले बस्तियों के खंडहर और अवशेष चौथी शताब्दी के हैं, जो कम से कम 1600 साल पुराने हैं। इस महत्वपूर्ण खोज से इलाके के इतिहास के बारे में और नई महत्वपूर्ण जानकारियां मिलने की संभावना है।

वैज्ञानिकों ने किया यह खुलासा

दरअसल अमेरिकी अखबार मियामी हेराल्ड की रिपोर्ट के अनुसार, वैज्ञानिकों ने खुलासा किया है कि इस स्थान से कई बड़े जार मिले हैं, जिन्हें मेसोपोटामिया से मंगाया गया था। जबकि दो स्थानों पर आरामी भाषा के शिलालेख भी पाए गए हैं, जो पहली से चौथी शताब्दी के बीच के माने जा रहे हैं। पुरातत्वविदों का अनुमान है कि अल सिन्नियाह द्वीप पर खोजे गए खंडहर तवाम के गुमशुदा शहर के अवशेष हो सकते हैं।

क्यों कहा जा रहा है मोतियों का शहर

जानकारी के मुताबिक अल सिन्नियाह द्वीप पर मिले अवशेषों के आधार पर इसे 'मोतियों का शहर' कहा जा रहा हैं। जबकि अधिकारियों के अनुसार, 'पर्लिंग' शब्द का मतलब समुद्र में गोता लगाकर मोती और अन्य समुद्री जीवों को ढूंढ़ने की प्रथा से है। यह प्रथा यहां की संस्कृति का भी प्रतीक रही है, जिसे लोग हजारों सालों से निभाते आ रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि इस प्राचीन शहर के निवासी समुद्र पर निर्भर थे, इसलिए इसे 'पर्लिंग सिटी' के नाम से जाना जा रहा है।

द्वीप पर चार साल से जारी है खुदाई

जानकारी के मुताबिक प्राचीन शहर की खुदाई के दौरान प्राप्त चित्रों में तटरेखा के पास स्थित पत्थर की दीवारों की एक श्रृंखला देखी जा सकती है। जबकि ऊपर से देखा जाए तो ऐसा प्रतीत होता है कि यहां कई आयताकार कमरे बने हुए हैं। इसके साथ अधिकारियों ने जानकारी दी कि पिछले चार वर्षों से द्वीप पर खुदाई का काम किया जा रहा है।

देश में 244 जगहों पर आज मॉक ड्रिल

युद्ध में बचने के तरीके सिखाए जाएंगे, टॉर्च-कैश रखने की सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान से तनाव के बीच बुधवार (7 मई) को देश के 244 इलाकों में युद्ध के दौरान बचाव के तरीकों की मॉक ड्रिल होगी। गृह मंत्रालय ने इन इलाकों को सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट के तौर पर लिस्ट किया है। ये सामान्य प्रशासनिक जिलों से अलग हैं।

सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट्स को उनकी संवेदनशीलता के आधार पर 3 कैटगरी में बांटा गया है। कैटगरी-1 सबसे संवेदनशील और कैटगरी-3 कम सेंसेटिव है। गृह मंत्रालय ने 5 मई को सभी राज्यों को मॉक ड्रिल कराने के आदेश जारी किए थे।

दिल्ली में गृह मंत्रालय में आज हुई हाईलेवल मीटिंग में मॉक ड्रिल की तैयारियों की समीक्षा की गई। इसमें राज्यों के मुख्य सचिव और सिविल डिफेंस चीफ समेत कई हाई रैंक ऑफिसर मौजूद थे।

प्रशासनिक जिलों से अलग हैं सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट- गृह मंत्रालय ने मंगलवार को मॉक ड्रिल वाले जिलों की लिस्ट जारी की। इनमें राज्यवार संवेदनशीलता के आधार पर जिलों को बांटा गया है। देश के 25 राज्यों के कुल 244 सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट को कैटगरी-1 से 3 के बीच रखा गया है।

दरअसल, मिनस्ट्री ऑफ होम अफेयर्स ने देश के कुल 35 राज्य और केन्द्र शासित प्रदेशों में 259 सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट बनाए हैं। जरूरी नहीं ये सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट सामान्य एडमिनिस्ट्रेटिव डिस्ट्रिक्ट हों। जैसे -उत्तर प्रदेश में कुल 19 सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट बनाए गए हैं।

सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल का मकसद

- एयररेड वॉर्निंग सिस्टम के दौरान अलर्टनेस चेक करना।
- इंडियन एयरफोर्स के साथ हॉटलाइन और रेडियो कम्युनिकेशन जोड़ना।
- मेन और सहयोगी कंट्रोल रूम की वर्किंग सही हो, यह सुनिश्चित करना।
- हमले की स्थिति में आम लोगों, छात्रों को अपनी रक्षा करना सिखाना।
- हमले की स्थिति में लोगों को सुरक्षित निकालने का प्लान और उसका एक्जीक्यूशन चेक करना।
- ब्लैक आउट के दौरान उठाए जाने वाले सभी कदमों का रिव्यू करना।
- ब्लैक आउट की स्थिति में क्या करना है, यह बताना।
- महत्वपूर्ण संस्थानों और बड़े प्लांट्स को कैसे छिपाना है, यह बताना।
- सिविल डिफेंस सिस्टम एक्टिवेट करना, इमरजेंसी में आम नागरिकों की मदद करने वाली टीम, फायरफाइटर्स, रेस्क्यू ऑपरेशन का मैनेजमेंट।

सड़क हादसे में घायल लोगों को अब पूरे देश में मिलेगा मुफ्त इलाज

सरकार ने जारी की अधिसूचना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने पूरे देश में कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम (नकद रहित इलाज योजना) लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी है। जिसके तहत सड़क दुर्घटना के शिकार हर व्यक्ति को प्रति हादसा अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिल सकेगा। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी गजट अधिसूचना के अनुसार, यह योजना 5 मई, 2025 से लागू हो गई है।

किसी भी सड़क पर हुए हादसे में मिलेगा इलाज- सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक, अगर किसी भी व्यक्ति का सड़क हादसा मोटर वाहन के कारण होता है, तो उसे इस स्कीम के तहत देश के किसी भी हिस्से में इलाज की सुविधा मुफ्त में मिलेगी। हादसे के शिकार व्यक्ति को सरकारी या नामित अस्पतालों में इलाज के लिए कोई पैसे नहीं देने होंगे।

छात्राओं ने छात्रों से बेहतर प्रदर्शन कर परचम लहराया

10वीं में 76.22 प्रतिशत स्टूडेंट पास, 12वीं में 74.48 प्रतिशत हुए सफल, 15 साल का रिकॉर्ड टूटा

भोपाल (एजेंसी)। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम मंगलवार को जारी कर दिया गया। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने सुबह 10 बजे एक क्लिक से परिणाम जारी किया।

10वीं में 76.22 प्रतिशत परीक्षार्थी पास हुए हैं। यह पिछले वर्ष की तुलना में 18.12 प्रतिशत अधिक है। 2024 में 58.10 प्रतिशत परीक्षार्थी ही सफल हो पाए थे। 12वीं का परिणाम भी 9.99 प्रतिशत तक सुधरा है। इसमें 74.48 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। पिछले वर्ष 12वीं का परिणाम 64.49 प्रतिशत ही रहा था। हर बार की तरह इस बार भी दोनों कक्षाओं में बेटियों ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर परचम लहराया है। इस वर्ष 10वीं में 79.27 प्रतिशत छात्राएं और 73.21 प्रतिशत छात्र पास हुए हैं। राज्य स्तरीय मेधावी सूची में कुल 212 विद्यार्थियों ने स्थान पाया है, इनमें 144 बालिकाएं शामिल हैं। 10वीं में सिंगरौली की प्रज्ञा जायसवाल ने 500 अंकों की परीक्षा में 500 अंक पाकर पहला स्थान हासिल किया है। उधर, 12वीं में 77.55 प्रतिशत छात्राएं और 71.37 प्रतिशत छात्र पास हुए हैं। 12वीं की राज्य स्तरीय मेधावी सूची में 159 विद्यार्थियों ने स्थान पाया है, इनमें 89 बालिकाएं हैं। परिणाम की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि जो विद्यार्थी असफल हुए हैं, उनका साल खराब नहीं होगा।

ट्रम्प ने यूएन की 19 हजार करोड़ की मदद रोकी

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) को मिलने वाले 19 हजार करोड़ का फंड रोक रखा है। इसमें से कुछ पैसा बाइडेन प्रशासन के कार्यकाल का भी है। ट्रम्प के फंड नहीं देने से यूएन कंगाली के मुहाने पर खड़ा है। बजट संकट इतना गंभीर है कि अगर हालात नहीं बदले, तो 5 महीने के बाद कर्मचारियों को तनख्वाह देने के पैसे भी नहीं होंगे। बजट संकट के चलते यूएन अपने कई विभागों से 3000 कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बना रहा है।

न प्रोफेशनल डिग्री न डिप्लोमा, आज 250 करोड़ का साम्राज्य

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान के अजय अजमेरा ने करीब डेढ़ दशक पहले एक सपना देखा था। वह सपना था, लोगों को रोजगार देना और देश से बेरोजगारी को कम करना। इसी सपने को लेकर उन्होंने अजमेरा फैशन की शुरुआत की। आज उनकी कंपनी 250 करोड़ रुपये से ज्यादा का सालाना कारोबार कर रही है। सूरत की अजमेरा फैशन टेक्सटाइल इंडस्ट्री में जाना माना नाम है। इसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। यह फैशन साड़ी बनाने वाली टॉप कंपनियों में से एक है। कंपनी ने हाल ही में अजमेरा ट्रेंड्स नाम से फ्रेंचाइजी भी शुरू की है। आइए, यहां अजय अजमेरा की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। अजय अजमेरा की कहानी राजस्थान के एक छोटे से शहर से शुरू होती है। वह सीकर जिले के रहने वाले हैं। उनका जन्म 1973 में हुआ था। अजमेरा का परिवार साधारण था। अजय ने कम उम्र में ही काम करना शुरू कर दिया था। उन्होंने 11वीं कक्षा के बाद स्कूल छोड़ दिया। यह उनकी पसंद नहीं थी, बल्कि उनकी परिस्थिति थी। फिर भी, उन्हें अपने सपनों पर पूरा विश्वास था। वह सफल होने के लिए उत्सुक थे।

अवसर की तलाश में गए सूरत - अवसरों की तलाश में अजय सूरत चले गए। सूरत को भारत का टेक्सटाइल हब कहा जाता है। उनके पास कोई कनेक्शन नहीं था। न ही उन्हें इस उद्योग का कोई अनुभव था।

2011 में शुरू किया अपना बिजनेस

अजय ने 20 वर्षों से अधिक समय तक विभिन्न भूमिकाओं में काम किया। अपनी मेहनत और लगन से सफलता हासिल की। उनके पास फॉर्मल एजुकेशन या एमबीए की डिग्री नहीं थी। फिर भी वह उद्योग में विश्वसनीय नाम बन गए। 2011 तक वह 2 लाख महीने का वेतन कमाने लगे थे। लेकिन, अजय अजमेरा अपनी व्यक्तिगत सफलता से संतुष्ट नहीं थे। उन्होंने टेक्सटाइल बाजार में कुछ कमियां देखीं। उन्होंने महसूस किया कि सिस्टम बड़े होलसेलर्स और डीलर्स का समर्थन करता है। छोटे रिटलर्स और पहली बार व्यवसाय शुरू करने वालों को कम समर्थन मिलता है। अजय कुछ ऐसा करना चाहते थे जिससे सभी को समान अवसर मिलें। 2011 में उन्होंने एक बड़ा फैसला लिया। उन्होंने अजमेरा फैशन की स्थापना की। अपनी अच्छी सैलरी वाली नौकरी छोड़कर वह कुछ असाधारण करना चाहते थे।

भारत बनेगा पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था: करण अदाणी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को विझिंजाम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह का उद्घाटन किया था। यह बंदरगाह 8,867 करोड़ रुपये की लागत से बना है। परियोजना का मुख्य उद्देश्य सिंगापुर, कोलंबो, सलाला और दुबई के विदेशी बंदरगाहों पर वर्तमान में किए जा रहे भारतीय माल के पारगमन को स्वदेश वापस लाना है। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) के प्रबंध निदेशक करण अदाणी ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी निजी बंदरगाह परिचालक अपने समुद्री, लॉजिस्टिक और कृषि-लॉजिस्टिक कारोबार को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। अदाणी ने कहा कि अदाणी समूह की प्रमुख कंपनी एपीएसईजेड विझिंजाम अंतराष्ट्रीय बंदरगाह में दूसरे चरण में 13,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, जिससे इस गहरे पानी वाले बंदरगाह की माल ढुलाई क्षमता मौजूदा 12 लाख टीईयू (बीस फुट समकक्ष इकाइयों) से बढ़कर 2028 तक लगभग 50 लाख टीईयू हो जाएगी। प्रधानमंत्री मोदी ने दो मई को विझिंजाम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह का उद्घाटन किया, जिसका निर्माण 8,867 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से पूरा हुआ है।

हमारे पास तीन बड़े कारोबारी क्षेत्र-उन्होंने कहा कि एपीएसईजेड के भीतर, हमारे पास तीन बड़े कारोबारी क्षेत्र-समुद्री व्यवसाय, लॉजिस्टिक्स व्यवसाय और कृषि-लॉजिस्टिक्स व्यवसाय हैं, जिन पर हम काम कर रहे हैं। उन्होंने इस बात की ओर इशारा किया कि एपीएसईजेड देश में समुद्री व्यापार में सबसे बड़ी संचालक है।